

प्रेषक,

डा0एस0एस0रांधू
सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तरांचल पेयजल निगम,
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 3 जुलाई, 2006

विषय: केन्द्र पुरोनिधानित कार्यक्रम के अन्तर्गत त्वरित नागर पेयजल योजना हेतु वित्तीय वर्ष 2006-07 में केन्द्रांश/राज्यांश की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 2429/धनावंटन प्रस्ताव/दिनांक 23.06.06 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि त्वरित नागर पेयजल कार्यक्रम के अन्तर्गत निम्न विवरणानुसार अवशेष केन्द्रांश रू0 10.64 लाख तथा योजना के वित्त पोषण के पैटर्न के अनुसार 45 प्रतिशत के विपरीत अवशेष राज्यांश रू0 63.18 लाख अर्थात् कुल रू0 73.82 लाख की धनराशि (रू0 तिहत्तर लाख बयासी हजार मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु संलग्न बी0एम-15 के अनुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से पुर्नविनियोग के माध्यम से आपके निर्वहन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति इस शर्त के साथ प्रदान करते हैं कि योजनाओं की लागत के सापेक्ष 5 प्रतिशत की धनराशि स्थानीय निकाय/लाभार्थी द्वारा ही वहन की जायेगी और इस हेतु शासन द्वारा कोई धनराशि अवमुक्त नहीं की जायेगी।

क्रमांक	योजना का नाम	केन्द्रांश	राज्यांश	योग
1	2	3	4	5
1	जोशीमठ पुनर्गठन पेयजल योजना	-	26.80	26.80
2	द्वाराहाट पुनर्गठन पेयजल योजना	10.64	36.38	47.02
	योग	10.64	63.18	73.82

2- स्वीकृत धनराशि प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल निगम, देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल कोषागार देहरादून में प्रस्तुत करके, यथा आवश्यकतानुसार आहरित की जायेगी तथा आहरण से सम्बन्धित वाउचर संख्या व दिनांक की सूचना महालेखाकार उत्तरांचल, देहरादून तथा शासन को तुरन्त उपलब्ध करा दी जायेगी।

पृ० सं० १५०४/उन्तीस(२)/०६-२(१५५०)/२००१, तददिनांक

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तरांचल देहरादून।
2. मण्डलायुक्त गढ़वाल/कुर्गोयू मण्डल।
3. जिलाधिकारी, देहरादून।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान, देहरादून।
- 6-मुख्य अभियन्ता गढ़वाल/कुर्गोयू उत्तरांचल पेयजल निगम, पौड़ी/नैनीताल
7. वित्त अनुभाग-२/वित्त(बजट सैल)/नियोजन प्रकोष्ठ/राज्य योजना आयोग उत्तरांचल।
7. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री उत्तरांचल।
8. स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन को मुख्य सचिव महोदय क अवलोकनार्थ।
9. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- ✓ 10. निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(डा० एस० एस० संधू)
सचिव

- 3- केन्द्रों/राज्यों से निर्मित योजना के कार्यों की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण शासन को तत्काल उपलब्ध कराया जायेगा। स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2007 तक पूर्ण उपयोग कर कार्यों का वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण शासन को प्रस्तुत कर दिया जाय।
- 4- स्वीकृत की जा रही धनराशि के व्यय के सम्बंध में शेष अन्य शर्त शासनादेश संख्या 3105/उन्तीस/04-2/04(15पे0)/2001, दिनांक 31 जनवरी, 2005 एवं तदविषयक समय-समय पर निर्गत शासनादेशों के अनुसार यथावत रहेंगी।
- 5- इसके अतिरिक्त अन्य शर्त शासनादेश संख्या 769/नौ-2 -(51पे)/2001, दिनांक 30 मार्च, 2003 के अनुसार तथा प्रश्नगत योजनाओं के सम्बंध में भारत सरकार द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार ही रहेगी।
- 6- व्यय करते समय बजट मेनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, स्टोर परचेज नियम/डीजीएसएण्डडी अथवा टेण्डर कुटेशन विषयक नियमों का अनुपालन किया जायेगा।
- 7- कार्य कराते समय आगणन में सैन्टेज वित्त विभाग के शासनादेश के अनुसार निर्धारित 12.5 प्रतिशत ही आंकलित किया जायेगा।
- 8- स्वीकृत की जा रही धनराशि का तत्काल उपयोग कर इसका उपयोगिता प्रमाण पत्र भारत सरकार व राज्य सरकार को अविलम्ब उपलब्ध कराया जायेगा।
- 9- उपर्युक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में अनुदान सं०-13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक "2215-जलापूर्ति तथा सफाई-01-जलापूर्ति-आयोजनागत-102-ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रम-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें-06-छोटे/मध्यम नगरों की जलापूर्ति (50 प्रतिशत के०स०) - 20-सहायक अनुदान/अंशदान/ राजसहायता के नामे" डाला जायेगा।
- 10- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं०- 264/XXVII(2)/2006 दिनांक 03 जुलाई, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डा०एस०एस०संधू)
सचिव

बी0एम0-15 पुर्नविनियोग-2006-07

आयोजनागत

न्यक अधिकारी-उत्तरांचल रोजल नलगन
रानिक विभाग- रोजल विभाग, उत्तरांचल शासन ।

क्रमांक	मानक मद्दवार अध्यायविक स्थिति	वित्तीय वर्ष के अवधेय अवधि अनुमानित व्यय	अवधेय(सरपलस)	लेखाधीन जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है	पुनर्विनियोग के बाद संक्रम-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद संक्रम-1 में अवधेय धनराशि	(रु0 हजार में) अन्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
2215-जलपूर्ति तथा सफाई				2215-जलपूर्ति तथा सफाई			(क) कन्द संस्कार से
02-मल निकासी एवं सफाई				01-जलपूर्ति आयोजनागत			धनराशि प्राप्त न होने के कारण
107-मल निकासी सेवाएं				102-राशिय जलपूर्ति कार्यक्रम			(ख) पजट व्यवस्था न होने के कारण।
01-कन्दरीयआयोजनागत/कन्द पुरानिधानित योजना				01- कन्दरीय आयोजनागत/कन्द द्वारा पुरानिधानित योजनाएं। 06-छोटे/मध्यम नगरों की जलपूर्ति (50 प्रतिशत कोस0)			
05-गंगा कार्ययोजना (70 % कन्द रोजित) अतिरिक्त कार्य।				20-सहायक अनुदान/अधदान/राज सहायता			
20-सहायक अनुदान/अधदान राजसहायता	59148	-	59148(क)	7382(ख)	7383	51766	
योग:-	59148	-	59148	7382	7383	51766	

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट मनुअल के परिच्छेद 150.151.155.156 में उल्लिखित सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है ।

(30एस0एस0संघ)

सचिव

उत्तरांचल शासन

वित्त अनुभाग-2

संख्या: 284(क) XXVII-(2) / 2006

देहरादून : दिनांक: 03 जुलाई 2006

पुनर्विनियोग स्वीकृत

(टी0एन0सिंह)

अपर सचिव वित्त

महंतखाकार,

उत्तरांचल, देहरादून ।

1/188 (क)/उन्नीस/06-2-(15प0)/2001, तद दिनांक

निम्नलिखित को सूचनाएं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1-कोषाधिकारी,देहरादून । 2 वित्त अनुभाग-2

3-जिलाधिकारी,देहरादून ।

आज्ञा से

(30एस0एस0संघ)

सचिव